सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– **864**
01/11/2018

राजभवन में मनोविज्ञान एवं दर्शनशास्त्र विषय के युवा प्राध्यापकों के लिए कार्यशाला आयोजित हुई

पटना, 01 नवम्बर 2018 ::–महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन के निदेशानुसार राज्य के विश्वविद्यालयों में नवाचारीय प्रयोगों को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से सुझाव प्राप्त करने के क्रम में आज मनोविज्ञान एवं दर्शनशास्त्र के नवनियुक्त प्राध्यापकों की कार्यशाला राजभवन सभागार में आयोजित हुई।

आयोजित कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि मनोविज्ञान एवं दर्शनशास्त्र जैसे विषयों का भी आज आधुनिक रूप में काफी विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि सी॰बी॰सी॰एस॰ के अनुरूप लागू किए गये नये आधुनिक पाठ्यक्रमों में भी नये परिवर्द्धनों पर लगातार विचार की आवश्यकता होगी। अतएव आज की कार्यशाला में उपस्थित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से शिक्षा ग्रहण कर आए नवनियुक्त युवा प्राध्यापकों को अपने नये सुझावों से व्यापकतापूर्वक अवगत कराना चाहिए।

कार्यशाला के प्रतिभागी युवा प्राध्यापकों ने सुझाया कि मनोविज्ञान एवं दर्शनशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम में ग्यारहवीं कक्षा से ही परिवर्द्धन एवं संशोधन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इन विषयों के पाठ्यक्रम में प्रायः हर कक्षाओं में विषय की पुनरावृत्ति देखने को मिल रही है। इन विषयों को भी रोजगारोन्मुखी बनाने का सुझाव प्राध्यापकों ने दिया। उन्होंने कहा कि 'मनोविज्ञान' विषय का अध्ययन कर छात्र विभिन्न मनोरोगों से ग्रस्त आज के कई युवाओं के लिए 'कॉन्सिलर' के रूप में भी अपना सुझाव दे सकते हैं एवं अपनी शिक्षा का पेशागत उपयोग कर सकते हैं। प्राध्यापकों ने पाठ्यक्रम में 'योगविद्या' को भी शामिल करने का अनुरोध किया। प्राध्यापकों ने 'अप्लाएड फिलॉस्फी', 'क्लीनिकल सॉइकोलॉजी' और 'मोरल एडुकेशन' (नैतिक शिक्षा) के अध्ययन को आधुनिक रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव दिया।

नवनियुक्त महिला प्राध्यापकों ने विश्वविद्यालयीय विभागों एवं कॉलेजों में 'चाइल्ड केयर यूनिट' स्थापित कराने का भी सुझाव दिया, ताकि शिशुवती प्राध्यापिकाओं एवं शिक्षण संस्थाओं की महिला कर्मचारियों के बच्चों का वहाँ संबंधित कर्मी द्वारा कार्य–दायित्व निर्वहन के दौरान परिपोषण हो सके।

कार्यशाला में अपर सचिव श्री विजय कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी (विश्वविद्यालय) श्री अहमद महमूद आदि भी उपस्थित थे।

.....